CBCS CURRICULUM OF

M.A. HINDI PROGRAMME

SUBJECT CODE = HIN

रुचि आधारित साख पद्धति

हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय कोड = HIN

FOR POST GRADUATE COURSES UNDER RANCHI UNIVERSITY

राँची विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्वि–वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

Academic Session 2018-2020

अकादमिक सत्र 2018–2020 से कार्यान्वित

पाठयक्रम समिति के सदस्यगण

1. अध्यक्ष – **डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय**
   अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
   राँची विश्वविद्यालय, राँची, (झारखण्ड)

2. सदस्यगण –

   i. डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंदन पाण्डेय,

   ii. डॉ0 अरूण कुमार

   iii. डॉ0 हीरानंदन प्रसाद,

   iv. डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

राँची विश्वविद्यालय वेबसाइट पर प्रकाशनार्थ समर्पित
जंगबहादुर पाण्डेय
17/5/18

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
राँची विश्व विद्यालय, राँची-8
चलभाष:-9431595318

अग्रसारित
16.03.2019

अध्यक्ष
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
राँची विश्वविद्यालय, राँची

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के सम्यक् जानकारी प्राप्त करना।
2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।
3. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना।
4. भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति–कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना।
5. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।
6. रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।
7. साक्षात्कार,अभिव्यक्ति एवं अनुभूति कौशल का विकास करना।
8. शोध प्रविधि में निपुणता एवं गुणवत्ता का समावेश करना।

पाठ्यक्रम के विषय में

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति।।

– गीता 4/38

अर्थात् इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला निःसंदेह कुछ भी नहीं है। उस ज्ञान को कितने ही काल से कर्मयोग के द्वारा शुद्ध अन्तः करण वाला मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है।

ज्ञान सद्गुण हैं और सद्गुण ही ज्ञान है।

– सुकरात

झड़ गयी पुच्छ, नखदन्त झड़े,
पशुता का झड़ना बाकी है।
ऊपर–ऊपर तन सँवर चुका,
मन अभी सँवरना बाकी है।

– दिनकर

भाषा का प्रयोग दो रूपों में किया जाता हैं – बोलचाल तथा लिखित रूप में। बोलचाल की भाषा का मतलब दैनिक प्रयोग की भाषा से है। इसमें व्यक्तिगत रचनात्मकता का अभाव होता है। यह सामाजिक रचनात्मकता द्वारा निर्मित होती है। इस कारण इसमें सामाजिक–सांस्कृतिक रिश्तों की प्रगाढ़ता होती हैं लिखित भाषा बोल–चाल की भाषा से थोड़ी भिन्न होती है। मौखिक भाषा जब लिखित रूप में प्रयुक्त होती है तब वह गंभीर हो जाती है, विषय के अनुरूप उसमें परिवर्तन हो जाता है।

लिखित भाषा का प्रयोग केवल साहित्य के लिए ही नहीं होता। कार्यालय, शास्त्र, विज्ञान, कला, संचार, आदि के लिए भी इसका प्रयोग अपेक्षित है। कार्यालय, विज्ञान, शास्त्र, संचार आदि की भाषा से साहित्य की भाषा भिन्न होती है। साहित्येतर विषयों की भाषा ज्यादा वैचारिक, विश्लेषणात्मक तथा सूचनात्मक होती है। इसमें मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों की दरकार नहीं होती, किन्तु साहित्यिक भाषा में मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों के साथ–साथ ज्ञान का विशाल भंडार होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रधान शिक्षा के इस युग में जहाँ मानवीय संवेदनाएँ मरती जा रही हैं, मानव मूल्य विनष्ट होते जा रहे हैं, वहीं बोलचाल की हिंदी और साहित्य की भाषा हिंदी अपने हजार–हजार हाथों से विश्व मानव मूल्यों के टूटन को, मरती हुई संवेदना को रोक रखती है तथा मानव के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड की हिंदी पाठ्यक्रम समिति ने रूचि केन्द्रित (CBCS) सेमेस्टर पद्धति पर आधारित द्वि–वर्षीय स्नातकोत्तर (एम0 ए0) कक्षाओं के लिए अपने पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय आत्मा की धरोहर, मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं से परिपूर्ण ऐसी ही हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्वपूर्ण सन्दर्भों एवं हिस्सों को निर्धारित किया है।

प्रत्येक भाषा–साहित्य एवं देश का अपना इतिहास होता है। यह अनेक कालखंडों में विभाजित होता है। प्रत्येक कालखंड की अलग–अलग, अपनी–अपनी, परिस्थितियाँ होती हैं। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरणीय आदि वातावरण होते हैं। इतिहास का अध्ययन इन्हीं प्राचीन भाषा–साहित्य, सभ्यता, संस्कृति आदि को जानने के लिए आवश्यक होता है वहीं, सृजनात्मक साहित्य मानवमूल्यों में अभिवृद्धि कर व्यक्ति को संवेदनशील बनाकर, उसमें भाषिक दक्षता प्रदान करता है, सौन्दर्यबोध उत्पन्न करता है तथा देश की कामकाजी व्यवस्था के अनुकूल बनाता है। हिंदी आज न सिर्फ राष्ट्रीय गुणवत्ता और संस्कार–संस्कृति की भाषा है वरन् विश्वग्राम की एक महत्ती रोजगारोन्मुख भाषा भी है, जिसे जानने–समझने और अपनाने वालों की संख्या वैश्विक स्तर पर अव्वल है। हम आशा करते हैं कि हिन्दी एक दिन विश्व भाषा बनकर रहेगी –

कोटि–कोटि कंठों की भाषा, जनमन की मुखरित अभिलाषा।
हिन्दी है पहचान हमारी, हिन्दी हम सबकी परिभाषा।।

Contents

S.No.		Page No.
	Members of Core Committee	i
	Objective of Curriculum	ii
	Contents	iv
	COURSE STUCTURE FOR POSTGRADUATE PROGRAMME	
1	Distribution of 80 Credits	1
2	Course structure for M.A. in HINDI	1
3	Semester wise Examination Structure for Mid Semester & End Semester Examinations	2
	SEMESTER I	
4	I FC-101 Compulsory Foundation Course (FC)	3
5	II. CC-102 Core Course –C 1	5
6	III. CC-103 Core Course –C 2	7
7	IV CC-104 Core Course –C 3	9
	SEMESTER II	
8	I CC-201 Core Course- C 4	11
9	II. CC-202 Core Course- C 5	13
10	III. CC-203 Core Course –C 6	15
11	IV CC-204 Core Course –C 7	17
	SEMESTER III	
12	I EC-301 Ability Enhancement Course (AE)	19
13	II. CC-302 Core Course –C 8	21
14	III. CC-303 Core Course- C 9	23
15	IV CC-304 Core Course –C 10	25
	SEMESTER IV	
16	I EC-401 Generic/Discipline Elective (GE/DC 1)	27
17	II. EC-402 Generic/Discipline Elective (GE/DC 2)	29
18	III. CC-403 Core Course –C 11	35
19	IV PR-404 Core Course (Project/ Dissertation) –C 12	37
	ANNEXURE	
20	Distribution of Credits for P.G. Programme (Semester-wise)	39
21	Sample calculation for SGPA for P.G. Vocational/ M.Sc./ M.A./ M.Com Programme	40
22	Sample calculation for CGPA for P.G. Vocational/ M.Sc./ M.A./ M.Com Programme	40
	DISTRIBUTION OF MARKS FOR EXAMINATIONS AND FORMAT OF QUESTION PAPERS	
23	Distribution of Marks of Mid Semester Theory Examinations	41
24	Distribution of Marks of End Semester Theory Examinations	41
25	Format of Question Paper for Mid Semester Evaluation of Subjects with/ without Practical (20 Marks)	42
26	Format of Question Paper for End Semester Examination of Subjects without Practical (70 Marks)	43

COURSE STUCTURE FOR P.G. HINDI PROGRAMME

Table AI-1: Distribution of 80 Credits [*wherever there is a practical there will be no tutorial and vice –versa.]

Course	Papers	Credits (Sc) Theory + Practical	Credits (Arts/Comm) Theory + Tutorial
I. Foundation Course (FC)			
1. Foundation Course Compulsory Foundation/ Elective Foundation	**(FC)** 1 Paper	1X5=5	1X5=5
II. Core Course (CC)	**(CC 1 to 10/11)**		
Theory	7 Papers/11 Papers	7X5=35	11X5=55
Practical/ Tutorial*	3 Papers/----------	3X5=15	
Project	1 Paper	1X5=5	1X5=5
III. Elective Course (EC)			
A. Ability Enhancement Course of the Core Course opted	**(AE/EC 1)** 1 Paper	1X5=5	1X5=5
B. Discipline Centric Elective	**(DC/EC 2&3)**		
Theory + Practical	2 Papers 1 Paper	2X5=10 1x5=5	
OR Theory/Practical/Tutorial*	1Paper + 1 Practical/Dissertation		2X5=10
OR Generic Elective/ Interdisciplinary	**(GE/EC 2&3)**		
Theory OR Theory/Practical/Tutorial*	2 Papers 1 Paper + 1 Practical/Dissertation		
		Total Credit = 80	**= 80**

Table AI-1.1: Course structure for M.A. Programme

Semester	Subject (Core Courses) 12 Papers	Allied (Elective Courses) 3 Papers	Foundation Course (Compulsory Course) 1 Paper	Total Credits
Sem-I	C-1, C-2, C-3 (5+5+5=15 Credits)		Foundation Course FC (05 Credits)	**20 Credits**
Sem-II	C-4, C-5, C-6, C-7 (5+5+5+5=20 Credits)			**20 Credits**
Sem-III	C-8, C-9, C-10 (5+5+5=15 Credits)	EC1 (05 Credits)		**20 Credits**
Sem-IV	C-11, (05 Credits) C-12 (Project) (05 Credits)	EC2, EC3 (5+5=10 Credits)		**20 Credits**
				Total = 80 Credits

COURSES OF STUDY FOR POSTGRADUATE M.A. HINDI PROGRAMME
Session 2018 onwards

Table AI-2 Subject Combinations allowed for M. A. Programme (80 Credits)

Foundation Course **FC** **1 Paper**	Core Subject **CC** **12 Papers**	Ability Enhancement Course **AE** **1 Paper**	Discipline Centric Elective/ Generic Elective Course **DC/ GE** **2 Papers**

Table AI-2.1 Semester wise Examination Structure for Mid Sem & End Sem Examinations:

Sem				Core, SE/GE/DC & Compulsory FC Courses	Examination Structure		
	Paper	Paper Code	Credit	Name of Paper	Mid Semester Evaluation (F.M.)	End Semester Evaluation (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	Foundation Course	FCHIN101	5	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का विकास	30	70	---
	Core Course	CCHIN102	5	साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य का आदिकाल और मध्यकाल	30	70	---
	Core Course	CCHIN103	5	हिंदी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल	30	70	---
	Core Course	CCHIN104	5	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	30	70	---
II	Core Course	CCHIN201	5	रीतिकालीन काव्य	30	70	---
	Core Course	CCHIN202	5	हिदी पत्रकारिता एवं जनसंचार	30	70	---
	Core Course	CCHIN203	5	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	30	70	---
	Core Course	CCHIN204	5	भारतीय साहित्य एवं संस्कृत साहित्य	30	70	---
III	Ability Enhancement Course	ECHIN301	5	आधुनिक हिंदी प्रबंध काव्य	30	70	---
	Core Course	CCHIN302	5	हिंदी कथा साहित्य	30	70	---
	Core Course	CCHIN303	5	हिंदी नाटक एवं एकांकी	30	70	---
	Core Course	CCHIN304	5	हिंदी निबंध एवं रेखाचित्र	30	70	---
IV	Elective	ECHIN401	5	छायावादी एवं छायावादोत्तर काव्य	30	70	---
	Elective	ECHIN402	5	A. प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा B. अनुवाद विज्ञान अथवा C. झारखंड पर केंद्रित हिंदी लेखन	30	70	---
	Core Course	CCHIN403	5	शोध–प्रविधि	30	70	---
	PROJECT/ Dissertation	PRHIN404	5	लघुशोध प्रबंध अथवा साहित्यिक एवं भाषा संबंधी निबंध	---	---	70 + 30

SEMESTER I **4 Papers**

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. COMPULSORY FOUNDATION COURSE [FCHIN101]: (क्रेडिट: -05)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का विकास

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - **भाषा** – परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ, भाषोत्पति विषयक सिद्धांत, भाषा विज्ञान अध्ययन की परंपरा।

इकाई II - **भाषा का वर्गीकरण** – पारिवारिक और आकृतिमूलक, भाषा और बोली में अंतर।

इकाई III - ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ,
व्याकरणिक कोटियाँ – अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई IV - हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी,
देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

इकाई V - परिभाषिक शब्दावली की समस्या एवं समाधान, व्याकरण की प्रयोजनीयता।
वर्तनी की समस्या एवं समाधान, हिन्दी का सरलीकरण, विश्व हिन्दी सम्मेलन दशा एवं दिशा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	सामान्यभाषा विज्ञान	डॉ0 बाबूराम सक्सेना	हिंदी परिषद, इलाहाबाद
2.	भाषा विज्ञान	डॉ0 भोलानाथ तिवारी	शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
3.	हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास	डॉ0 भोलानाथ तिवारी	ज्ञानभारती, दिल्ली
4.	भाषा विज्ञान की भूमिका	आ0 देवन्द्रनाथ शर्मा	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5.	राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान	आ0 देवन्द्रनाथ शर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
6.	हिंदी भाषा का विकास	आ0 देवन्द्रनाथ शर्मा	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7.	भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का वै0 विश्लेषण	डॉ0 सीताराम झा 'श्याम'	बिहार हिंदीग्रंथ अकादमी,पटना
8.	भाषा शास्त्र की रूपरेखा	डॉ0 उदयनारायण तिवारी	लोकभारती, इलाहाबाद
9.	आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत	डॉ0 रामकिशोर शर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
10.	भाषा विज्ञान – सिद्धांन और स्वरूप	डॉ0 जितराम पाठक	अनुपम प्रकाशन, पटना
11.	ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	डॉ0 रामविलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12.	हिंदी भाषा का विकास	डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा	हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
13.	हिंदी भाषा और लिपि	डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा	हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
14.	व्युत्पत्ति विज्ञान और आचार्य यास्क	डॉ0 रामाशीष पाण्डेय	प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, राँची।
15.	हिंदी भाषा + हिंदी शब्द अर्थ प्रयोग	डॉ0 हरदेव बाहरी	अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
16.	हिंदी उद्भव विकास और रूप	डॉ0 हरदेव बाहरी	किताब महल, इलाहाबाद
17.	शब्द संस्कृति	रामगोपाल सोनी	प्रकाशन विभाग, दिल्ली
18.	रूप विज्ञानः सिद्धांत एवं विनियोग	डॉ0 लक्ष्मण प्रसादसिन्हा	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19.	हिंदी भाषा का विकास	डॉ0 गोपाल राय	अनुपम प्रकाशन, पटना
20.	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21.	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	डॉ0 जितेन्द्र वत्स डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह	निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
22.	भाषा साहित्य और इतिहास	डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह	निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
23.	राष्ट्रभाषा और हिंदी	शिवपूजन सहाय	कथ्य–रूप, इलाहाबाद
24.	राष्ट्रभाषा आंदोलन और गांधी जी	रामधारी सिंह दिनकर	उद्याचल प्रकाशन, पटना
25.	राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता	रामधारी सिंह दिनकर	उद्याचल प्रकाशन, पटना
26.	भोजपुरी शब्दानुशासन	रसिक बिहारी ओझा निर्भीक	जमशेदपुर भो0 सा0 प0 टाटा
27.	हिंदी भाषानुशासन	डॉ0 रामदेव त्रिपाठी	बिहार हिंदी ग्रंथ अ0 , पटना
28.	नागपुरी भाषा +ना0 भा0 और उसके वृहत्तत्रयी	डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी	बिहार रा0 भा0 प0, पटना
29.	ध्वनी परिवर्तन की दिशाएँ	डॉ0 बलराम तिवारी	माध्यम प्रकाशन, पटना
30.	बिहारी भाषाओं की उत्त्पति एवं विकास	डॉ0 नलिनी मोहन सान्याल	रामनारायण लाल, इलाहाबाद
31.	हिंदी शब्द समूह + शब्द प्रयोग	डॉ0 नरेश मिश्र	निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
32.	हिंदी भाषा के विकसित ध्वनि वर्ण	डॉ0 रामदेव प्रसाद	चंद्र प्राकाशन, पटना
33.	व्युत्पत्ति विज्ञान : सिद्धांत और विनियोग	डॉ0 ब्रजमोहन पांडेय नलिन	जानकी प्रकाशन, पटना
34.	शब्द विज्ञान	आचार्य सारंगधर	प्रायाणिक प्रकाशन, छपरा

II. CORE COURSE [CCHIN102]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य का आदिकाल और मध्यकाल

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्येतिकास काल विभाजन एवं नामकरण और सीमांकन।

इकाई II - **आदिकाल** – सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्यपरंपरा और पृथ्वीराजरासो, पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता।

इकाई III - **भक्तिकाल** – प्रेरक परिस्थितियाँ, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, निर्गुण काव्य और प्रमुख संत कवि, सूफी काव्य(प्रेमकाव्य) एवं प्रमुख सूफी कवि, प्रेमकाव्य परंपरा और मलिक मोहम्मद जायसी।

इकाई IV - **सगुण काव्यधारा** – रामकाव्यधारा और प्रमुख कवि,कृष्णकाव्यधारा और प्रमुख कवि भक्तिकाल : हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग।

इकाई V - **रीतिकाल** – प्रेरक परिस्थितियाँ, नामकरण और सीमांकन, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा विभिन्न काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त) और रीतिकाल के प्रतिनिधि एवं महत्वपूर्ण कवि।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	वर्ष	प्रकाशक
1.	इस्तवार द लॉ लितरेत्योर ऐंदुई ऐ ऐन्दुस्तानी / हिन्दुई साहित्य का इतिहास	गार्सा द तासी अनु0 :डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	1839, 47,53	हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद, उ.प्र.
2.	शिव सिंह सरोज	शिव सिंह सेंगर	1883	हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद, उ.प्र.
3.	मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑ हिन्दुस्तान	डॉ0 सर जॉर्ज ग्रियर्सन	1889	हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद, उ.प्र.
4.	मिश्र बन्धु विनोद प्रथम तीन भाग मिश्र बन्धु विनोद चतुर्थ भाग	मिश्र बन्धु(गणेश बिहारी, श्याम बिहारी एवं शुकदेव बिहारीमिश्र	1913	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
5.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	1929	नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
6.	हिन्दी भाषा और उसके साहित्य का विकास	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	1930	खगविलास प्रेस बाकरगंज, पटना
7.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 रमाशंकरशुक्ल'रसाल'	1930	हिन्दुस्तानी एकेडेमी, लखनऊ
8.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ0 रामकुमार वर्मा	1938	रामनारायणलाल, इलाहाबाद
9.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1940	हिन्दी ग्रंथ रत्नाकार प्रा0लि0, बम्बई
10.	हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	1949	वाणी वितान, वाराणसी
11.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1952	बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना
12.	हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1952	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय	1953	लोकभारती, इलाहाबाद
14.	हिन्दी साहित्य के 80 वर्ष	डॉ0 शिवदान सिंह चौहान	1954	राजकमल प्रकाशन, पटना
15.	हिन्दी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि	डॉ0 विश्वंभरनाथउपाध्याय	1955	साहित्यरत्न भंडार, आगरा
16.	हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ0 रामचन्द तिवारी एवं डॉ0 प्रेमव्रत तिवारी	1955	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17.	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	डॉ0 नामवर सिंह	1956	लोकभारती, इलाहाबाद
18.	हिन्दी साहित्य के प्रमुख वाद	डॉ0 राजनाथ शर्मा	1956	विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
19.	हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	आ0 नलिन विलोचन शर्मा	1959	बिहार–राष्ट्रभाषा–परिषद, पटना
20.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास दोभाग	डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त	1965	लोकभारती इलाहाबाद
21.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	हृदयेश मिश्र,शिवलोचन पाण्डेय	1967	भारती भवन, पटना
22.	हिन्दी साहित्य का नया इतिहास	डॉ0 राम खेलावन पाण्डेय	1969	अनुपम प्राकशन प्रटना
23.	हिन्दी साहित्य की रूपरेखा	डॉ0 जयनारायण मण्डल	1970	राजकमल प्रकाशन, पटना
24.	हिन्दी साहित्य के इतिहासों के इतिहास	डॉ0 किशोरलाल गुप्त	1970	विभु प्रकाशन, साहिबाबाद
25.	हिन्दी सा0 इतिहास ग्रंथों का आलो0 अध्ययन	डॉ0 रूपचन्द पारीक	1972	सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
26.	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास	डॉ0 सुमन राजे	1973	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
27.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेन्द्र,डॉ0 सुरेशचंद गुप्त	1973	नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
28.	हिन्दी साहित्य मानक इतिहास	डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय	1973	लोकभारती, इलाहाबाद
29.	हिन्दी साहित्य का परिचायात्मक इतिहास	डॉ0 भगीरथ मिश्र	1978	एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
30.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका	डॉ0 महेन्द्र किशोर	1980	ज्योती प्रकाश, पटना, राँची
31.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	1986	लोकभारती, इलाहाबाद
32.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी	1986	एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
33.	हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास	डॉ0 नगेन्द्र	1989	हिन्दी मा0 का0 निदेशालय, दिल्ली
34.	हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास	डॉ0 वासुदेव सिंह	1993	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
35.	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 बच्चन सिंह	1994	राजकमल, दिल्ली
36.	हिन्दी साहित्य का प्रवृतिमूलक इतिहास	डॉ0 सभापति मिश्र	1994	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
37.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ0 बच्चन सिंह	1996	राधाकृष्ण, दिल्ली
38.	हिन्दी गद्य विन्यास और विकास	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	1996	लोकभारती, इलाहाबाद
39.	हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास	डॉ0 लाल साहब सिंह	1997	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
40.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 विज्येंद्र स्नातक	2009	साहित्य अकादमी, दिल्ली
41.	हिन्दी काव्य का विकास (कवीर से रघुवीर)	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	2012	लोकभारती, इलाहाबाद
42.	वस्तुनिष्ठ हिन्दी साहित्य	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, अर्चना	2014	लक्ष्मी प्रकाशन, दिल्ली
43.	हिन्दी साहित्य का प्रामाणिक इतिहास	डॉ0 राजाराम यादव डॉ0 सी. पी. दीक्षित 'ललित'	2017	चंदहास साहित्य शोध संस्थान, बाँदा

III. CORE COURSE [CCHIN103]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

हिंदी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - आधुनिकता की अवधारणा एवं सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी गद्य का विकास।

इकाई II - भारतेन्दु युग – प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ।

इकाई III - द्विवेदी युग – प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ।

इकाई IV - छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता।

इकाई V - विभिन्न गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास – नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, निबंध और आलोचना।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	इस्तवार द लॉ लितरेत्योर ऐंदुई ऐ ऐन्दुस्तानी / हिन्दुई साहित्य का इतिहास	गार्सा द तासी अनु0 :डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	183947,53
2.	शिव सिंह सरोज	शिव सिंह सेंगर	1883
3.	मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑ हिन्दुस्तान	डॉ0 सर जॉर्ज ग्रियर्सन	1889
4.	मिश्र बन्धु विनोद प्रथम तीन भाग मिश्र बन्धु विनोद चतुर्थ भाग	मिश्र बन्धु(गणेश बिहारी, श्याम बिहारी एवं शुकदेव बिहारीमिश्र	1913
5.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	1929
6.	हिन्दी भाषा और उसके साहित्य का विकास	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	1930
7.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 रमाशंकरशुक्ल'रसाल'	1930
8.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ0 रामकुमार वर्मा	1938
9.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1940
10.	हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	1949
11.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1952
12.	हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	1952
13.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय	1953
14.	हिन्दी साहित्य के 80 वर्ष	डॉ0 शिवदान सिंह चौहान	1954
15.	हिन्दी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि	डॉ0 विश्वंभरनाथउपाध्याय	1955
16.	हिन्दी का गद्य साहित्य	डॉ0 रामचन्द तिवारी एवं डॉ0 प्रेमव्रत तिवारी	1955
17.	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	डॉ0 नामवर सिंह	1956
18.	हिन्दी साहित्य के प्रमुख वाद	डॉ0 राजनाथ शर्मा	1956
19.	हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	आ0 नलिन विलोचन शर्मा	1959
20.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास दोभाग	डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त	1965
21.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	हृदयेश मिश्र,शिवलोचन पाण्डेय	1967
22.	हिन्दी साहित्य का नया इतिहास	डॉ0 राम खेलावन पाण्डेय	1969
23.	हिन्दी साहित्य की रूपरेखा	डॉ0 जयनारायण मण्डल	1970
24.	हिन्दी साहित्य के इतिहासों के इतिहास	डॉ0 किशोरलाल गुप्त	1970
25.	हिन्दी सा0 इतिहास ग्रंथों का आलो0 अध्ययन	डॉ0 रूपचन्द पारीक	1972
26.	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास	डॉ0 सुमन राजे	1973
27.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ नगेन्द्र,डॉ0 सुरेशचंद गुप्त	1973
28.	हिन्दी साहित्य मानक इतिहास	डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय	1973
29.	हिन्दी साहित्य का परिचायात्मक इतिहास	डॉ0 भगीरथ मिश्र	1978
30.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका	डॉ0 महेन्द्र किशोर	1980
31.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	1986
32.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी	1986
33.	हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास	डॉ0 नगेन्द्र	1989
34.	हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास	डॉ0 वासुदेव सिंह	1993
35.	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 बच्चन सिंह	1994
36.	हिन्दी साहित्य का प्रवृतिमूलक इतिहास	डॉ0 सभापति मिश्र	1994
37.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	डॉ0 बच्चन सिंह	1996
38.	हिन्दी गद्य विन्यास और विकास	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	1996
39.	हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास	डॉ0 लाल साहब सिंह	1997
40.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ0 विज्येंद्र स्नातक	2009
41.	हिन्दी काव्य का विकास (कवीर से रघुवीर)	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	2012
42.	वस्तुनिष्ठ हिन्दी साहित्य	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, अर्चना	2014
43.	हिन्दी साहित्य का प्रामाणिक इतिहास	डॉ0 राजाराम यादव डॉ0 सी. पी. दीक्षित 'ललित'	2017

IV. CORE COURSE [CCHIN104]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - पृथ्वीराज रासो – चंदवरदायी (शशिवृता विवाह/ समय)
अथवा
विद्यापति पदावली (सं0 रामकुँवर राय) प्रकाशक संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
भक्ति विषयक पद – पद सं0– 01 से 05 तक।
श्रृंगार विषयक पद – पद सं0 – 13 से 21 तक।

इकाई II - सूरदास – भ्रमरगीत सार – संपादक रामचन्द्र शुक्ल 50 पद
पद संख्या – 1,3,6,8,10,13,14,20,23,25,33,34,39,41,45,50,52,62,64,72,76,85,
89,92,95,97,100,101,108,109,125,130,136,140,141,143,146,155,157,167,168,171,
174,190,196,199,307,316,338,346

इकाई III - कबीर (सं0 आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
परिशिष्ट – 02 से पद सं0 – 160 से 180 तक।

इकाई IV - जायसी ग्रंथावली (सं0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
नागमती वियोग खंड – पद सं0 01 से 19 तक।

इकाई V - तुलसीदास – रामचरित मानस – उत्तर कांड अथवा सुंदर कांड, गीता प्रेस गोरखपुर

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	कबीर	आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2.	कबीर साहित्य की परख	आ0 परशुराम चतुर्वेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3.	कबीर	सं0 डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4.	कबीर : एक नई दृष्टि	डॉ0 रघुवंश	लोकभारती, इलाहाबाद
5.	कबीर ग्रंथावली (सटीक)	डॉ0 रामकिशोर शर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
6.	सूरदास	डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
7.	सूरदास	आ0 रामचन्द्र शुक्ल	नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8.	सूरसाहित्य	आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	राजकमल, दिल्ली
9.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	डॉ0 मैनेजर पाण्डेय	वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10.	तुलसीदास	आ0 रामचन्द्र शुक्ल	नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
11.	तुलसी : दर्शन मीमांसा	डॉ0 उदयभानु सिंह	विश्वविद्यालय प्रकाशन, लखनऊ
12.	लोकवादी तुलसी	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13.	तुलसीदास	डॉ0 माताप्रसाद गुप्त	हिन्दी परिषद, प्रयाग
14.	तुलसीदास और उनका युग	डॉ0 राजपति दीक्षित	ज्ञानमंडल वाराणसी
15.	तुलसी के भक्त्यात्मक गीत	डॉ0 वचनदेव कुमार	क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली
16.	गोसाई तुलसीदास	आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	वाणी वितान, वाराणसी
17.	गोस्वामी तुलसीदास	आ0 शिवनन्दन सहाय	बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
18.	तुलसी साहित्य में माया	डॉ0 नन्दकिशोर तिवारी	हिन्दीसाहित्य सम्मेलन, सासाराम
19.	जायसी : एक नई दृष्टि	डॉ0 रघुवंश	लोकभारती, इलाहाबाद
20.	जायसी	डॉ0विजयदेव नारायण साही	हिन्दुस्तानी एकेदमी, इलाहाबाद
21.	मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	डॉ0 शिवसहाय पाठक	साहित्य भवन, इलाहाबाद
22.	जायसी ग्रंथावली (भूमिका)	आ0 रामचन्द्र शुक्ल	नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
23.	सूफीमतः साधना और साहित्य	डॉ0 रामपूजन तिवारी	ज्ञानमंडल, वाराणसी
24.	मानस दर्शन	डॉ0 श्री कृष्णलाल	आनन्द पुस्तकभवन, काशी
25.	रामचरितमानस में अलंकार योजना	डॉ0 वचनदेव कुमार	हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
26.	मानस सूक्तिकोश	डॉ0 वचनदेव कुमार	क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली
27.	मानस हृदय : अयोध्याकांड	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय	सुबोध ग्रंथमाला, राँची
28.	मानस मंजरी	मानस मराल डॉ0 जयेन्द्रानंद	भारती प्रकाशन, आरा
29.	रामकथा : उत्पत्ति और विकास	डॉ0 फादर कामिल बुल्के	हिन्दी परिषद, प्रयाग
30.	विद्यापति पदावली	रामवृक्ष बेनीपुरी	पुस्तक भंडार, पटना
31.	विद्यापति पदावली	डॉ0 नरेन्द्र झा	अनुपम, पटना
32.	विद्यापति अनुशीलन	डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्त्व (संपा.)	भारती भवन, पटना
33.	पृथ्वीराज रासो की भाषा	डॉ0 नामवर सिंह	राजकमल, दिल्ली
34.	भक्ति काव्ययात्रा	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	लोकभारती, इलाहाबाद
35.	रामचरितमानस में रस योजना	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	क्लासिकल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
36.	शशिवृता विवाह : सौंदर्य और समीक्षा	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	राजकमल प्रकाशन, पटना
37.	सूर काव्य में लोक साहित्य	डॉ0 माधुरी रजक	सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
38.	उत्तर कांड : सौदर्य और समीक्षा	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	लोकभारती , इलाहाबाद
39.	सुंदर कांड : सौंदय और समीक्षा	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	लोकभारती , इलाहाबाद
40.	सुंदर कांड की सुंदरता	डॉ0 रामकिंकर उपाध्याय	रामायणम् ट्रस्ट, अयोध्या
41.	उत्तर कांड : एक समीक्षा	डॉ0 अरूण कुमार 'सज्जन'	सारस्वत प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
42.	चंदवरदाई कृत पृथ्वीराज रासो	सं. डॉ0 दिलीप राम	नोवेल्टी एण्ड कम्पनी, पटना
43.	मानस हृदय : अयोध्या कांड	डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
44.	तुलसी काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन	डॉ0 जितेन्द्रनाथ पाण्डेय	अलका प्रकाशन, कानपुर
45.	तुलसी कथा रघुनाथ की, रघुनाथ गाथा	डॉ0 सभापति मिश्र	जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
46.	रामकथा मन्दाकिनी	प्रो0 योगेश चन्द्र दुबे	निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

SEMESTER II 4 Papers

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. CORE COURSE [CCHIN201]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - हिंदी पत्रकारिता – परिभाषा, क्षेत्र, उद्देश्य, उपयोगिता।

इकाई II - हिंदी पत्रकारिता –उद्भव और विकास– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग से आज तक।

इकाई III - झारखंड की हिंदी पत्रकारिता – उद्भव और विकास एवं विविध प्रवृत्तियाँ ।

इकाई IV - जनसंचार – परिभाषा स्वरूप और उद्देश्य।
श्रव्य माध्यम – रेडियो, दृश्य माध्यम।
दृश्य माध्यम – टेलीविजन, सिनेमा, प्रस्तुतीकरण।

इकाई V - कम्प्यूटर – सामान्य परिचय एवं उपयोगिता।
इंटरनेट – सामान्य परिचय एवं उपयोगिता।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	बाखबर बेखबर संदर्भ :झारखंड की पत्रकारिता	डॉ0 मिथिलेश	दिशा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2.	भारतेन्दु युगीन हिंदी पत्रकारिता	डॉ0 वंशीधर लाल	अनुभव प्रकाशन, कानपुर
3.	भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता	डॉ0 वंशीधर लाल	बिहार ग्रंथ कुटीर, पटना
4.	पत्रकारिता चिंतन अनुचिंतन	डॉ0 वंशीधर लाल	मनीष प्रकाशन, वाराणसी
5.	पत्रकारिता के विविध संदर्भ	डॉ0 वंशीधर लाल	अनुपम प्रकाशन, पटना
6.	ब्रेक के बाद, नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी	डॉ0 सुधीश पचौरी	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7.	दूरदर्शनः दरश और दिशा,दूरदर्शन की भूमिका	डॉ0 सुधीश पचौरी	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8.	हिंदी पत्रकारिता	पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
9.	संपूर्ण पत्रकारिता + इतिहास निर्माता पत्रकार	डॉ0 अर्जुन तिवारी	विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी
10.	आ0पत्रकारिता+आ0 विज्ञापन कलाएवं व्यवहार	डॉ0 अर्जुन तिवारी	विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी
11.	जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता	डॉ0 अर्जुन तिवारी	जयभारती, इलाहाबाद
12.	भारतीय मीडिया – अंतरंग पहचान	डॉ0 स्मिता मिश्र	जयभारती, इलाहाबाद
13.	टेलीविजन लेखन/ रेडियो लेखन	डॉ0 राजेन्द्र	हरियाण सा. अकादमी, चंदीगढ़
14.	दूरदर्शन और आकाशवाणी	डॉ0 अंजु शर्मा	
15.	संवाद और संवाददाता	डॉ0 राजेन्द्र	हरियाण सा. अकादमी, चंदीगढ़
16.	रेडियो नाट्यशिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
17.	रेडियो नाटक की कला	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
18.	रेडियो वार्ताशिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
19.	कम्प्यूटर और मीडिया	प्रो0 भगवानदेव पाण्डेय	सत्यम पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
20.	मीडिया माफिया	डॉ0 अर्जुन तिवारी	जयभारती, इलाहाबाद
21.	आधुनिक पत्रकारिता	डॉ0 अर्जुन तिवारी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, बनारस
22.	हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम	डॉ0 वेदप्रताप वैदिक	नेशनलपब्लिशिंग हाउस दिल्ली
23.	पत्रकारिता के सिद्धांत	डॉ0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी	अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
24.	पत्रकारित के विविध रूप	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	आलेख प्रकाशन, दिल्ली
25.	पत्रकारिता– नये सिद्धांत एवं प्रयोग	रत्नेश्वर	नावेल्टी एण्ड कंपनी, पटना
26.	संपादन के सिद्धांत, पत्रकारिता के विविध रूप	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	आलेख प्रकाशन, दिल्ली
27.	संपादन विज्ञान/ समाचार एक दृष्टि	रत्नेश्वर	नावेल्टी एण्ड कंपनी, पटना
28.	जनसंपर्क सिद्धांत और तकनीक	डॉ0 संजीव भानावत क्षिप्रा माथुर	राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
29.	पत्रकारिता और स्तंभ लेखन	चन्द्र भूषण	समय प्रकाशन, दिल्ली, पटना
30.	हिंदी के विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान।	डॉ0 नागेश्वर सिंह	क्लासिकलपब्लिशिंग हा0 दिल्ली

II. CORE COURSE [CCHIN202]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

रीतिकालीन काव्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - केशवदास – रामचंद्रिका छंद संख्या 1–19 तक
सं0 नलिन वि0 शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

इकाई II - बिहारीलाल – स्वर्ण मंजूषा, मंगलाचरण, शृंगार और प्रकृति चित्रण,
सं0 नलिन वि0 शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

इकाई III - भूषण – छंद संख्या 1,5,7,16,17 और 20 – स्वर्ण मंजूषा

इकाई IV - मतिराम – स्वर्ण मंजूषा– सम्पूर्ण।

इकाई V - घनानंद – स्वर्ण मंजूषा– सम्पूर्ण।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	केशव और उनका साहित्य	डॉ0 विजयपाल सिंह	नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
2.	केशव का आचार्यत्व	डॉ0 विजयपाल सिंह	नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
3.	केशव की काव्य कला	डॉ0 विजयपाल सिंह	नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
4.	केशवदास	डॉ0 जगदीश गुप्त	साहित्य अकादमी, दिल्ली
5.	केशव कौमुदी	लाला भगवान दीन	रामनारायण लाल, इलाहाबाद
6.	केशवदास	सं0 डॉ0 विजयपाल सिंह	लोकभारती, इलाहाबाद
7.	बिहारी सतसई (संजीवनी–भाष्य)	पं0 पद्मसिंह शर्मा	चाँदपुर विजनौर, उत्तरप्रदेश
8.	बिहारी रत्नाकर	श्री जगन्नाथदास रत्नाकर	लोकभारती, इलाहाबाद
9.	बिहारी	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
10.	बिहारी सतसई	रामबृक्ष बेनीपुरी	पुस्तक भंडार, पटना
11.	बिहारी भाष्य	प्रोफेसर वकील सिंह	अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
12.	बिहारी सार्धशती	डॉ0 ओमप्रकाश	राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली
13.	बिहारी का नया मूल्यांकन	डॉ0 बच्चन सिंह	लोकभारती, इलाहाबाद
14.	बिहारी सौरभ	डॉ0 विजयपाल सिंह	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
15.	बिहारी बोधिनी	लाला भगवान 'दीन' सं0डॉ0बालेन्दुशेखरतिवारी	रामनारायण लाल, इलाहाबाद संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
16.	बिहारी और घनानंद	डॉ0 परमलाल गुप्त	लोकभारती, इलाहाबाद
17.	घनानंद का काव्य	डॉ0 रामदेव शुक्ल	लोकभारती, इलाहाबाद
18.	भूषण ग्रंथावली	आ0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र	लोकभारती, इलाहाबाद
19.	भूषण	राममल बोरा	लोकभारती, इलाहाबाद
20.	महाकवि भूषण और उनका काव्य	डॉ0 अवधेश कुमार सिंह	विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
21.	शिवा बावनी (सटीक)	प्रो0 शंभु शरण सिन्हा	नवभारत प्रकाशन, पटना
22.	रीतिकाव्य की भूमिका	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
23.	रीतिकाव्य की पीठिका	डॉ0 रामानंद शर्मा	पुस्तक प्रकाशन, दिल्ली
24.	हिंदी के रीतिग्रंथों का काव्यशास्त्रीय विवेचन	डॉ0 रामनाथ मेहता	नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
25.	मतिराम ग्रंथावली	पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
26.	देव और बिहारी	पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
27.	हिंदी नवरत्न	मिश्रबंधु	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
28.	बिहारी और देव	लाला भगवान दीन	गंगा पुस्तक माला, लखनऊ

III. CORE COURSE [CCHIN203]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु एवं शब्द शक्ति।

इकाई II - रस निष्पति, साधारणीकरण, रीति सिंद्धांत, अलंकार संप्रदाय, औचित्य संप्रदाय, वक्रोक्ति सिद्धांत एवं ध्वनि सिद्धांत।

इकाई III - अरस्तू – अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लॉन्जाइनस– उदात्त सिद्धांत,
आई. ए. रिचर्ड्स की मान्यताएँ।
टी. एस इलयट की अवधरणाएँ।
क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

इकाई IV - अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, वक्रोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, तद्गुण, काव्यलिंग, अर्थांतरन्यास, दीपक, तुल्योगिता, परिसंख्या, मीलित, उन्मीलित, संकर, संसृष्टि, असंगति, व्याजोक्ति।
छंद – दोहा, चौपाई, सोरठा, हरिगीतिका, मालिनी, रोला, कुन्डिलियाँ, कवित, अनुष्टुप, भुजंगप्रयात, छप्पय, बरवै, द्रुतविलंबित, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित

इकाई V - आलोचना – परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

सैद्धांतिक(शास्त्रीय) आलोचना, स्वच्छन्दतावादी आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना।

ऐतिहासिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना।

नई समीक्षा, स्त्री–विमर्श, दलित–विमर्श, आदिवासी विमर्श।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	साहित्यालोचन	डॉ0 श्यामसुंदरदास	इण्डियन प्रेस, वाराणसी
2.	रस–मीमांसा	आ0 रामचन्द्र शुक्ल	नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3.	काव्यदर्पण	पं0 रामदहिन मिश्र	भारती भवन, पटना
4.	भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग, हा0 दिल्ली
5.	भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरा भाग–1,2	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग, हा0 दिल्ली
6.	रस– सिद्धांत	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग, हा0 दिल्ली
7.	सिद्धांत और अध्ययन	डॉ0 गुलाब राय	आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
8.	काव्य के रूप	डॉ0 गुलाब राय	आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
9.	हिन्दी काव्य विमर्श	डॉ0 गुलाब राय	आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
10.	काव्यशास्त्र	डॉ0 भगीरथ मिश्र	विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
11.	भारतीय काव्य शास्त्र	डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ0 कृष्णदेव शर्मा	विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
13.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14.	भा0 एवं पा0 काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
15.	भा0 एवं पा0 काव्यशास्त्र का तुल0 अध्ययन	डॉ0 बच्चन सिंह	हरियाणा सा0 अकादमी,चंडीगढ़
16.	काव्य प्रवृत्तियाँ भारतीय और पाश्चात्य	डॉ0 दीनानाथ सिंह	विजय प्रकाशन, वाराणसी
17.	भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य सा0 चिंतन	डॉ0 सभापति मिश्र	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18.	काव्यशास्त्र के विविध सोपान	डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19.	भारतीय काव्य सिद्धांत एवं काव्य मीमांसा	डॉ0 त्रिभुवन राय	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
20.	काव्यशास्त्र की रूपरेखा	डॉ0 श्यामनंदन शास्त्री	भारती भवन, पटना
21.	वस्तुनिष्ठ काव्य शास्त्र	डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी	क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली
22.	हिन्दी शब्द शक्ति और पारिभाषिक शब्दावली	डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी	क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली
23.	काव्य के तत्व	आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24.	अलंकार मुक्तावली	आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा	भारती भवन, पटना
25.	अलंकार प्रकाश (छंद परिचय सहित)	डॉ0 रमेशचंद्र पाठक	बुक लैंड प्रा0 लि0, कोलकता
26.	हिंदी आलोचना का विकास	डॉ0 नंदकिशोर नवल	अनुपम प्रकाशन, पटना
27.	हिंदी आलोचना कल और आज	डॉ0 केदार सिंह	पुस्तक भवन, नई दिल्ली
28.	हिंदी आलोचना : बीसवीं शताब्दी	डॉ0 रेवती रमण	अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
29.	हिंदी आलोचना	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
30.	हिंदी छंद प्रकाश	रघुनंदन शास्त्री	राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
31.	छंदोदर्पण	डॉ0 गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र	अनुमप प्रकाशन, पटना
32.	हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
33.	टी. एस. इलियट और क्लासिक	डॉ0 पूर्णमासी राय	अभिनव भारती, इलाहाबाद
34.	भा0 काव्य चिंतन एवं पा0 काव्य चिंतन	डॉ0 शोभाकान्त मिश्र	अनुपम प्रकाशन, पटना
35.	देशज काव्यशास्त्र की निर्मिति	डॉ0 अविनाश कु0 सिंह	पृथ्वी प्रकाशन, दिल्ली
36.	काव्यशास्त्र निरूपण	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय	लक्ष्मी प्रकाशन, दिल्ली
37.	अलंकार समुच्चय	राम रघुवीर	मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली

IV. CORE COURSE [CCHIN204]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

भारतीय साहित्य एवं संस्कृत साहित्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय साहित्य : राष्ट्रीय एकता का प्रतीक।

इकाई II - उर्दू साहित्यः आरंभ और विकास, बंगला साहित्य आरंभ और विकास ।

इकाई III - संस्कृत साहित्य का इतिहास – वैदिक और पौराणिक साहित्य,
उपजीव्य महाकाव्य – रामायण और महाभारत।

इकाई IV - संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, गीतिकाव्य उद्भव और विकास, अलंकृत महाकाव्य उद्भव और विकास, गद्य साहित्य उद्भव और विकास, आख्यान साहित्य उद्भव और विकास।

इकाई V - पूर्वमेघ (कालिदास), 1–15 श्लोक, सामान्य परिचय
श्रीमद्भगवद गीता – (वेद व्यास) प्रथम अध्याय अथवा अष्टादश अध्याय, सामान्य परिचय ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	संस्कृत साहित्य का इतिहास,	आ0 बलदेव उपाध्याय	शारदा मंदिर, काशी
2.	संस्कृत सुकवि समीक्षा	आ0 बलदेव उपाध्याय	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	डॉ0 वचनदेव कुमार एवं डॉ जंगबहादुर पाण्डेय	नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
4.	संस्कृत साहित्य की रूपरेखा	प्रो0 चन्द्रशेखर पाण्डेय	साहित्य निकेतन, कानपुर
5.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	आ0 वाचस्पति गौरेला	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6.	वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास	डॉ0 रामविलास चौधरी	मोती लाल बनारसीदास पटना
7.	संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास	डॉ0 रामविलास चौधरी	मोती लाल बनारसीदास पटना
8.	संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास	पी0 बी0 काणे अनुवादक इन्द्रचंद्र शास्त्री	मोती लाल बनारसीदास पटना
9.	सूक्तिसप्तशती	डॉ0 विश्वम्भर नाथ पाण्डेय	भा0 संस्कृति संस्थान,लोहरदगा
10.	पुराण–परिशीलन	पं0 गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
11.	षड्दर्शन–रहस्य	पं0 रंगनाथ पाठक	बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
12.	वैदिक साहित्य की रूपरेखा	डॉ0 रसिक बिहारी जोशी जयकिशन प्र0 खण्डेलवाल	साहित्य निकेतन, कानपुर
13.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	आ0 देवी शंकर मिश्र डॉ0 राज किशोर सिंह	प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
14.	संस्कृत रूपकों की कथाएँ	डॉ0 राम प्रकाश पोद्दार	भारती भवन, पटना
15.	उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	प्रो0 एहतेशाम हुसैन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16.	उर्दू भाषा और साहित्य	डॉ0 फिराक गोरखपुरी	उ0 प्रदेश हिन्दी सं0 लखनऊ
17.	बीसवीं शताब्दी में उर्दू साहित्य	सं0 डॉ0 गोपीचंद नारंग	साहित्य अकादमी, दिल्ली
18.	भारतीय साहित्य की भूमिका	डॉ0 रामविलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19.	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	डॉ0 रामविलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
20.	भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
21.	बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ0सत्येन्द्र	हिन्दी समिति, लखनऊ
22.	पूर्वमेघ : एक पुनर्मूल्यांकन	वचनदेव कु. छविना0 मिश्र	अनुपम प्रकाशन, पटना
23.	मेघदूतः एक अनुचिंतन	डॉ0 रंजन सूरिदेव	नागरी प्रकाशन, पटना–4
24.	मेघदूत	डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल	राजकमल प्रकाशन, पटना
25.	श्रीमद भगवद्गीता : संजीवनी भाष्य	स्वामी रामसुख दास	गीता प्रेस, गोरखपुर
26.	श्रीमद्भगवगीता रहस्य	बाल गंगाधर तिलक	लो0 तिलक मंदिर पुणा
27.	उर्दू साहित्य का इतिहास	डॉ0 सभापति मिश्र	जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER III **4 Papers**

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. ABILITY ENHANCEMENT COURSE [ECHIN301]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100	**Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

आधुनिक हिंदी प्रबंध काव्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रिय प्रवास – प्रथम सर्ग एवं सप्तदर्श सर्ग ।

इकाई II - मैथिलीशरण गुप्त – साकेत – नवम सर्ग

इकाई III - रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी – तृतीय अंक

इकाई IV - जयशंकर प्रसाद – कामायनी– श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग

इकाई V - श्यामनारायण पाण्डेय – हल्दी घाटी – प्रथम सर्ग एवं सप्तदश सर्ग

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	साकेत एक अध्ययन	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनलपब्लिशिंग हा0, दिल्ली
2.	साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव	डॉ0 कन्हैयालाल सहल	चिर गाँव झाँसी
3.	साकेत विचार और विश्लेषण	डॉ0 वचनदेव कुमार	लोकभारती, इलाहाबाद
4.	पुनर्मूल्यांकन : प्रियप्रवास साकेत कामायनी उर्वशी	डॉ0 नन्दकिशोर नवल	प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
5.	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनलपब्लिशिंग हा0, दिल्ली
6.	कामायनी : एक पुनर्विचार	गजानन माधव मुक्तिबोध	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7.	कामायनी : मिथक और स्वप्न	डॉ0 रमेश कुंतल मेघ	ग्रन्थम, रामबाग कानपुर
8.	कामायनी का रचना संसार	डॉ0 प्रेमशंकर	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9.	कामायनी : इतिहास और रूपक	डॉ0 सुशीला भारती	मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
10.	कामयनी का पुनर्मूल्यांकन	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	कामायनी पढ़ते हुए	अशोक प्रियदर्शी	अनुपम प्रकाशन, पटना
12.	उर्वशी विचार और विश्लेषण	डॉ0 वचनदेव कुमार	लोकभारती, इलाहाबाद
13.	उर्वशी उपलब्धि और सीमा	डॉ0 विजेन्द्र नारायण सिंह	परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
14.	मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
15.	गुप्त जी की काव्य साधना	डॉ0 उमाकांत	नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
16.	गुप्त जी के सा0 का सांस्कृतिक अध्ययन	डॉ0 मुन्नीलाल जायसवाल	वशिष्ठ ना0 जायसवाल,गाजीपुर
17.	दिनकर : एक पुनर्मूल्यांकन	डॉ0 विजेन्द्र नारायण सिंह	परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
18.	दिनकर की साहित्य साधना	सं0डॉ0 सतीश कुमार राय	किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर
19.	दिनकर : चिंतन–अनुचिंतन	सं0डॉ0 सतीश कुमार राय	विद्यावती प्रकाशन, दिल्ली
20.	दिनकर की उर्वशी	डॉ0 राजनारायण राय	कैपिटल पब्लिशिंगहाउस दिल्ली
21.	दिनकर का गद्य साहित्य	डॉ0 प्रेमनाथ उपाध्याय	जिज्ञासा प्रकाशन, पटना
22.	आशुकवि दिनकर	सं0 डॉ0 सकलदेव शर्मा	संवाद पब्लिकेशन, दिल्ली
23.	दिनकरनामा (1–6 भाग)	डॉ0 दिवाकर	चैतन्यम नवादा, बिहार
24.	अर्द्धनारीश्वर दिनकर	डॉ0 कुमार विमल	सद्विचार प्रकाशन, पटना
25.	प्रियप्रवास का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ0 ओमप्रकाश सिंहल	हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
26.	प्रियप्रवास : विचार और विश्लेषण	सं0 जंग बहादुर पाण्डेय	राजकमल प्रकाशन, पटना
27.	हरिऔध और उनका प्रियप्रवास	केसरी कुमार	मोतीलाल बनारसीदास, पटना
28.	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह दिनकर	उद्याचल, पटना
29.	श्यामनारायण पाण्डेय की सा0 साधना	डॉ0 रामसिंहासन प्र0 शर्मा	अप्रकाशित शोधप्रबंध
30.	हल्दी घाटी : सौंदर्य और समीक्षा	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	राजकमल प्रकाशन, पटना
31.	दिनकर का प्रबंध–शिल्प	डॉ0 नवीन कुमार	मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली–92
32.	निराला साहित्य में सामाजिक चेतना	डॉ0 प्रमिला कुमारी	जयभारती प्रकाशक, इलाहाबाद

II. CORE COURSE [CCHIN302]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

हिंदी कथा साहित्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - उपन्यास – गोदान –प्रेमचंद

इकाई II - उपन्यास – रूपान्तर –राधाकृष्ण अथवा मैला आंचल –फणीश्वरनाथा रेणु

इकाई III - उपन्यास – रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल

इकाई IV - उपन्यास –तमस –भीष्म साहनी अथवा बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्र. द्विवेदी

इकाई V - कहानी – कफन –प्रेमचंद, रामलीला –राधाकृष्ण, तीसरी कसम – रेणु
उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', अपराध –संजीव, वापसी–उषा
प्रियंवदा, बाबू जी – मिथिलेश्वर

पाठ्यपुस्तक :– कथायात्रा – सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय,
डॉ0 कुमुद कला मेहता,
डॉ0 प्रशांत गौरव
हिन्दी विभाग राँची विश्वविद्यालय, राँची।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	गोदान नया परिप्रेक्ष्य	डॉ0 गोपाल राय	अनुपम प्रकाशन, पटना
2.	गोदान	सं0 राजेश्वर गुरू	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3.	गोदान : पुनर्मूल्यांकन के बाद	डॉ0 राम विनोद सिंह, डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह	मोतीलाल बनारसीदास, पटना
4.	प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्पविधान	कमल किशोर गोयनका	सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली
5.	प्रेमचंद अध्ययन की नयी दिशाएँ	कमल किशोर गोयनका	साहित्य निधि, दिल्ली
6.	प्रेमचंद के कथा–साहित्य में सूक्तियाँ	डॉ0 नियति कल्प	सत्यम् पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
7.	गोदान–गवेषणा	सं0 कपिलदेव सिंह, पद्मनारायण, निशांतकेतु	भारती भवन, पटना
8.	गोदान संवेदना और शिल्प	डॉ0 चन्द्रेश्वर कर्ण	जयभारती प्र0 इलाहाबाद
9.	गोदान मूल्यांकन और मूल्यांकन	सं0 इन्द्रनाथ मदान	नीलम प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	गोदान का महत्व	सं0 डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र	सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	आज का हिंदी कहानी : विचार और प्रतिक्रिया	डॉ0 मधुरेश	ग्रंथ निकेतन, पटना
12.	प्रेमचन्द्र विमर्श	डॉ0 रवि और सतीश राय	अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
13.	पत्रकार प्रेमचन्द	डॉ0 सतीश कुमार राय	समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
14.	प्रेमचन्द्र के उपन्यासों के गौण पात्र	डॉ0 कुमारी मनीषा	मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली
15.	हिंदी कहानी का शैली विज्ञान	डॉ0 बैकुण्ठनाथ ठाकुर	बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी,पटना
16.	प्रेमचन्द	प्रकाश चन्द्र गुप्त	साहित्य अकादमी, दिल्ली
17.	प्रेचनन्द और उनका युग	डॉ0 रामविलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन दिल्ली
18.	रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन	सं0 बालेन्दुशेखर तिवारी	एजुकेशनल बुक सर्विस, दिल्ली
19.	आंचलिक हिंदी कथा साहित्य में रेणु की	डॉ0 राजकुमारी खड़िया	गुड बुक्स, बेगुसराय
20.	संक्रमण और रेणु की औपन्यासिक नारियाँ	डॉ0 सुरेन्द्र नारायण यादव	रामचन्द्र एण्ड संस, दिल्ली
21.	मैला आँचल की रचना प्रक्रिया	डॉ देवेश ठाकुर	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22.	आंचलिकता यथार्थवाद और फणीश्वर नाथ रेणु	डॉ0 सुबास कुमार	साहित्यकार सहकार, दिल्ली
23.	रुपांतर सौंदर्य और समीक्षा	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय	सुबोध ग्रंथमाला, राँची
24.	हिंदी कहानी का विकास	डॉ0 मधुरेश	सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
25.	हिंदी कहानी के सौ वर्ष	डॉ0 दीनानाथ सिंह	मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली
26.	हिंदी कहानी के विविध आंदोलन	डॉ0 कुष्ण कुमार प्रजापति	अयन प्रकाशन, दिल्ली
27.	रेणु की कहानियों का पुनर्पाथ	विद्या भूषण	अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
28.	प्रेमचंद में शोषित–दलित पात्रों की अन्तर्वेदना	डॉ0 नागेश्वर सिंह	सत्यम् पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
29.	मिथिलेश्वर की कहा0 मूल्यांकन एवं परिव्याप्ति	डॉ0 निरंजन कुमार सिंह	मीनाक्षी प्रकशन, दिल्ली
30.	कहानी नयी कहानी	डॉ0 नामवर सिंह	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
31.	हिंदी कहानी पहचान और परख	डॉ0 इन्द्रनाथ मदान	लिपि प्रकाशन, दिल्ली
32.	आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्य सर्जना	डॉ0 विन्ध्यवासिनीनंदन पांडे	क्लासिकलपब्लिशिंग हा0,दिल्ली
33.	आ0 हजारी प्रसाद के उपन्यासों में नारी	डॉ0 हीरानंदन प्रसाद	क्लासिकलपब्लिशिंग हा0,दिल्ली
34.	कहानी अनुभव और शिल्प	जैनेन्द्र कुमार	पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
35.	कहानी स्वरूप और संवेदना	राजेन्द्र यादव	नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली
36.	अज्ञेय के उपन्यासों में नारी चरित्रों का मनोवैज्ञानिक विशलेषण	डॉ0 सुनीता कुमारी	सत्यम प्रकाशन, दिल्ली

III. CORE COURSE [CCHIN303]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

हिंदी नाटक एवं एकांकी

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

इकाई II - चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद।

इकाई III - आधे–अधूरे – मोहन राकेश।

इकाई IV - अशोक – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार

इकाई V - एकांकी – रीढ़ की हड्डी – जगदीशचन्द्र माथुर, औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा, महाभारत की एक सांझ –भारतभूषण अग्रवाल, साहब को जुकाम है – उपेन्द्रनाथ 'अश्क', संघमित्रा – रामवृक्षबेनीपुरी, स्ट्राईक – भुवनेश्वर, वे अभी भी कुवांरी हैं अथवा आदमी है, नहीं है– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार।

पाठ्यपुस्तक : एकांकी यात्रा – सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय,
डॉ0 रामेश्वर साहू,
डॉ0 हीरानंन्दन प्रसाद
हिन्दी विभाग राँची विश्वविद्यालय, राँची।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	हिंदी नाटक : उद्भव और विकास	डॉ0 दशरथ ओझा	राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2.	नाटक और रंगमंच	डॉ0 सीताराम झा 'श्याम'	बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3.	स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी नाटक विचार–तत्व	अवधेश चन्द्र गुप्त	नीरज बुक सेंटर, दिल्ली
4.	उत्तरशती के हिंदी काव्यनाटक (सृजन और सांस्कृतिक संदर्भ)	विजय कुमार 'सन्देश'	क्लासिकलपब्लिशिंग कं, दिल्ली
5.	प्रसाद के नाटक	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
6.	नाटकालोचन के सिद्धांत	डॉ. सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
7.	हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
8.	हिंदी पद्यनाटक : सिद्धान्त औ इतिहास	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
9.	रेड़ियो नाट्य शिल्पः रेडियो नाटक की कला	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
10.	आधे अधूरे : संवेदना और शिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
11.	अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
12.	भारत दुर्दशा : संवेदना और शिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
13.	चन्द्रगुप्त : संवेदना और शिल्प	डॉ0 सिद्धनाथ कुमार	अनुपम प्रकाशन, पटना–4
14.	चन्द्रगुप्त : एक मूल्यांकन	राजनाथ शर्मा	विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
15.	अंधेर नगरी का नया मूल्यांकन	सं0 डॉ0 हीरानंदन प्रसाद	जानकी प्रकाशन, पटना
16.	भारत दुर्दशा का नया मूल्यांकन	सं0डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय	जानकी प्रकाशन, पटना
17.	हिंदी नाटकः कल और आज	केदार सिंह	क्लासिकलपब्लिशिंग कं, दिल्ली
18.	प्रसाद जी का चन्द्रगुप्त	प्रो0 कृष्ण कुमार सिन्हा	नोवेल्टी एण्ड कम्पनी
19.	आधा अधूरे	मोहन राकेश	राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
20.	प्रसाद और उनके नाटक	प्रो0 केशरी कुमार	मोतीलाल बनारसी दास, पटना
21.	प्रसाद और उनका चन्द्रगुप्त	प्रा0 पुरूषोत्तम लाल विज	रीगल बुक डिपो, दिल्ली–6
22.	आधे अधूरे एक अध्ययन	डॉ0 मंजरी खन्ना	हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ
23.	हिंदी समस्या नाटक – भाषागत अध्ययन	दीनानाथ पाण्डेय	अभिनव भारती, इलाहाबाद
24.	हिंदी नाटकों में अभिव्यक्त यौन यथार्थ का मनोवैज्ञानिक अध्ययन	डॉ0 रतन प्रकाश	विद्या प्रकाशन, राँची
25.	समीचीन (त्रैमासिकी) नाटक अंक	सं0 डॉ0 देवेश ठाकुर	संकलप प्रकाशन, बम्बई –82
26.	हिंदी नाटक के सौ वर्ष	सं0 बालेन्दु शेखर तिवारी	गिरनार प्रकाशन, गुजरात
27.	नाटक और मंच	निशांतकेतु	सीमांत प्रकाशन, दिल्ली
28.	हिंदी नाटक और रंगमंच	सं0 डॉ0 राजमल बोरा	पंचशील प्रकाशन, जयपुर
29.	नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान	डॉ0 वशिष्ठ ना0 त्रिपाठी	किताब घर , दिल्ली
30.	रंगभूमि– भारतीय नाट्य सौंदर्य	डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
31.	नाट्य प्रस्तुति	डॉ. रमेश राजहंस	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
32.	समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमच	डॉ. जयदेव तनेजा	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
33.	हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास	डॉ. रामचरण महेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
34.	जयशंकर प्रसाद के नाटकों के पुरुष पात्र	डॉ0 रामेश्वर साहु	झारखण्ड झरोखा, राँची
35.	उपेन्द्र नाथ अश्क के एकांकीः कथ्य एवं शिल्प	डॉ0 रामेश्वर साहु	झारखण्ड झरोखा, राँची

IV. CORE COURSE [CCHIN304]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

हिंदी निबंध एवं रेखाचित्र

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - हिंदी निबंध – परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई II - निबंध – कवि और कविता – महावीर प्रसाद द्विवेदी, साहित्य –शिवपूजन सहाय, नाखून क्यों बढ़ते हैं –हजारी प्रसाद द्विवेदी, कविता क्या है– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नयी संस्कृति की ओर –रामबृक्ष बेनीपुरी, लंका विजय के बाद– हरिशंकर परसाई

इकाई III - रेखाचित्र – परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई IV - पथ के साथी – महादेवी वर्मा

इकाई V - माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी, (रजिया, सुभान खाँ), एक जन्मजात चक्रवर्ती – जगदीशचन्द्र माथुर।

पाठ्यपुस्तक : निबंध यात्रा – सं0 डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय,
डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह,
हिन्दी विभाग राँची विश्वविद्यालय, राँची।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	वैयक्तिक निबंध लालित्य के बढ़ते चरण	डॉ0 अर्जुन देव वर्मा	प्रज्ञा प्रकाशन, राँची
2.	चिन्तामणि	आ0 रामचन्द्र शुक्ल	इण्डियन प्रेस,प्रयाग
3.	चिन्तामणि प्रकाश	डॉ0 रेवतीरमण	अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
4.	जातीय मनोभूमि की तलाश	डॉ0 रेवती रमण	भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5.	सर्जक की अर्न्तदृष्टि	डॉ0 रेवती रमण	समीक्षा प्रकाशन, दिल्ली
6.	आ0 रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि	डॉ0 राजनाथ शर्मा	विनोद पुस्तक, आगरा
7.	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8.	मिट्टी की ओर, अर्द्धनारीश्वर	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9.	शुद्ध कविता की खोज	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	पंत, प्रसाद और मैथिलिशरण गुप्त	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12.	साहित्य मुखी, मेरी यात्राएँ	रामधारी सिंह 'दिनकर'	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13.	चिंतन की मुद्राएँ, लेखक और परिवेश	डॉ0 वचनदेव कुमार	राजकमल प्रकाशन, पटना
14.	स्मृति गंधा	डॉ0 वचनदेव कुमार	पारिजात प्रकाशन, पटना
15.	त्रयी, चिन्ताधारा	आ0 जानकीवल्लभ शास्त्री	कलानिकेतन,अजन्ताप्रेस, पटना
16.	स्मृति लेख	सच्चिदानंद हीरानंद'अज्ञेय'	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
17.	दृष्टिकोण	नलिन विलोचन शर्मा	पुस्तक भंडार, पटना
18.	साहित्य का उद्‌देश्य	प्रेमचन्द	हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
19.	साहित्य का श्रेय और प्रेय	जैनेन्द्र कुमार	पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
20.	भारतीय संस्कृति और सांस्कृतक चेतना	डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय	अनुपम प्रकाशन, पटना
21.	पथ के साथी, मेरा परिवार	महादेवी वर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
22.	श्रृंखला की कड़ियाँ, स्मृति की रेखाएँ	महादेवी वर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
23.	साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध	महादेवी वर्मा	लोकभारती, इलाहाबाद
24.	अतीत के चलचित्र	महादेवी वर्मा	राधाकृष्ण, दिल्ली
25.	साहित्यक निबंध	डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त	लोकभारती, इलाहाबाद
26.	जीवन कला	छविनाथ पाण्डेय	अजन्ता प्रेस, पटना
27.	काव्य और कला तथा अन्य निबंध	जयशंकर प्रसाद	डायमण्ड पॉकेट बुक्स, दिल्ली
28.	जीवन और शिक्षण	आ0 विनोबा भावे	सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
29.	माटी की मूरतें (रेखाचित्र)	रामवृक्ष बेनिपुरी	प्रकाशन केंद्र लखनऊ
30.	मुझे याद है (संस्मरण)	रामवृक्ष बेनिपुरी	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
31.	आ0 पूर्ण सिंह अध्यापक के निबंध	सं0 प्रभात शास्त्री	कौसाम्बी प्रकाशन, इलाहाबाद
32.	कल्पलता, कुटज, अशोक के फूल	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
33.	निबंध भारती	जे0बी0पाण्डेय,ममता अग्रवाल	सत्यम पब्लिशिंग हा0, दिल्ली

SEMESTER IV **4 Papers**

Total 100 x 4 = 400 Marks

I. GENERIC/DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN401]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 **Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

छायावादी एवं छायावादोत्तर काव्य

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - जयशंकर प्रसाद –बीतीविभावरी जागरी, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से,हिमालय के आंगन में
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, जूही की कली।

इकाई II - सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि, नौका विहार, ताज।
जानकी वल्लभ शास्त्री – मेघगीत।

इकाई III - महादेवी वर्मा – मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, मै नीर भरी दुःख की बदली,
जो तुम आ जाते एक बार।

इकाई IV - नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद, कालिदास।
अज्ञेय – कालगी बजारे की, असाध्यवीणा।

इकाई V - मुक्तिबोध – अंधेरे में।
धूमिल – रोटी और संसद, मोचीराम, अकालदर्शन।

पाठ्यपुस्तक – छायावादी एवं छायावादोत्तर काव्य – सं0 हिन्दी विभाग राँची विश्वविद्यालय, राँची।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	छायावाद	डॉ0 नामवर सिंह	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2.	कविता के नये प्रतिमान	डॉ0 नामवर सिंह	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3.	कामायनी एक पूनर्मूल्यांकन	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	लोकभारती, इलाहाबाद
4.	कामयनी पढ़ते हुए	डॉ0 अशोक प्रियदर्शी	अनुपम प्रकाशन, पटना
5.	कामायनी एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6.	निराला	डॉ0 इन्द्रनाथ मदान	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7.	निराला की साहित्य साधना 1–3 भाग	डॉ0 रामविलास शर्मा	राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8.	निराला की गद्य भाषा	डॉ0 किरण तिवारी	भावना प्रकाशन, दिल्ली
9.	निराला काव्य का अध्ययन	डॉ0 भगीरथ मिश्र	राधाकृष्ण, दिल्ली
10.	राम की शक्ति पूजा	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
11.	महादेवी वर्मा	शचीरानी गुर्टू	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
12.	सुमित्र नंदनपंत के काव्य में प्रेम और अनुशीलन	डॉ0 मधुबाला सिन्हा	क्लासिकल प्रकाशन, दिल्ली
13.	नारि बिम्ब के आलोक में नयी कविता	डॉ0 मीरा सिंह	भावना प्रकाशन, दिल्ली
14.	मुक्तिबोध के काव्य में मानवीय चेतना	कुमारी उर्वशी	भावना प्रकाशन, दिल्ली
15.	छायावाद, नयी कविता और नवगीत	डॉ0 अमल सिंह 'भिक्षुक'	त्रिवेणी प्रकाशन,डिहरी ऑनसोन
16.	छायावाद युगीन कविता पुस्तक समीक्षा	डॉ0 कुमार वीरेन्द्र	दिशाइंटरनेशनल प0 हा0दिल्ली
17.	नागार्जुन	डॉ0 प्रभाकर माचवे	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18.	सर्वेश्वर की कविता	डॉ0 कपिलदेव पाण्डेय	प्रिय साहित्य सदन, दिल्ली
19.	छायावाद और महादेवी वर्मा	डॉ0 नंद कुमार राय	अनुपम प्रकाशन, पटना
20.	ज्योति विहग	शांतिप्रिय द्विवेदी	हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
21.	अज्ञेय की काव्य दृष्टि	डॉ0 परितोष कुमार मणि	अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
22.	असाध्य वीणा की साधना (मूल्यांकन और पाठ)	प्रो0 वशिष्ठ अनूप	विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

II. GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402A]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

प्रयोजनमूलक हिंदी

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - प्रयोजमूलक हिंदी की अवधारणा एवं दिशाएँ, प्रयोजमूलक हिंदी की प्रासंगिकता।

इकाई II - प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषा प्रयुक्ति, प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्या एवं समाधान, प्रयोजमूलक हिंदी के उद्देश्य।

इकाई III - हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी और साहित्यिक हिंदी में अंतर।

इकाई IV - राजभाषा हिंदी की विकास यात्रा, प्रशासनिक हिंदी, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपन, पल्लवन।

इकाई V - पारिभाषिक शब्दावली की समस्या एवं समाधान, व्याकरण की समस्या एवं समाधान, विश्वहिंदी सम्मेलन परंपरा एवं उपलब्धियाँ, राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा, हिंदी का भविष्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	व्यावासायिक हिंदी	डॉ0 दिलीप सिंह	द0 भारत हिंदीप्रचार सभा,चेन्नई
2.	राजभाषा सकल्प	डॉ0 मधु भारद्वाज	भावना प्रकाशन, दिल्ली
3.	प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम	डॉ0 माया सिंह डॉ0 सिद्धेश्वर काश्यप	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4.	प्रयोजनमूल हिंदी का अध्ययन	डॉ0 सुशीला गुप्ता	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5.	प्रयोजनमूल हिंदी	डॉ0 गुलाम मोइनुद्दीन खान	शबनम पुस्तक महल, कटक
6.	प्रयोजनमूलक हिंदी	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7.	कार्यालयी हिंदी	डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी अभिषेक अवतंस	क्लासिकल प0 कंपनी,नईदिल्ली
8.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 दंगल झाल्टे	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 विनोद गोदरे	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान	आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	पारिभाषिक शब्दावली – कुछ समस्याएँ	डॉ0 भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली
12.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह	मोतीलाल बनारसीदास, पटना
13.	व्यावहारिक हिंदी	डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय	निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
14.	हिंदी संक्षेपण, पल्लवन और पाठबोधन	डॉ0 हरदेव बाहरी	अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
15.	भारत सरकार की राजभाषा नीति	डॉ0 अरविन्द कुलश्रेष्ठ	कंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
16.	हिंदी वर्तनी का व्यावहारिक उपयोग	डॉ0 हरिवंश तरूण	विकल्प प्रकाशन, दिल्ली
17.	वृहत् व्याकरण भास्कर	डॉ0 वचनदेव कुमार	भारती भवन, पटना
18.	आधुनिक हिंदी व्यारण और रचना	डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, पटना
19.	अपनी हिंदी कैसे सुधारें	रवींद्र कुमार	जागृति पब्लिकेशन, पटना
20.	प्रयोजनमूलक हिंदी	डॉ0 रामगोपाल सिंह	विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
21.	प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद	डॉ0 रामगोपाल सिंह	विनय प्रकाशन, अहमदाबाद

OR

GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402B]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100	**Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।

(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

अनुवाद विज्ञान

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - अनुवाद की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद क्या है? शिल्प, कला या विज्ञान ।

इकाई II - भाषा विज्ञान में अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की उपादयेता/प्रासंगिकता।

इकाई III - अच्छे अनुवादक के गुण, अनुवाद के प्रकार, रचनात्मक साहित्य का अनुवाद, तकनीकी अनुवाद।

इकाई IV - अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान, पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ, अनुवाद और भाषांतरण ।

इकाई V - आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण, अनुवाद चिंतन की परंपरा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	अनुवाद विज्ञान	डॉ भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली – 92
2.	अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ	डॉ भोलानाथ तिवारी	शब्दकार, दिल्ली – 92
3.	अनुवाद शास्त्र	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	समन्वय प्रकाशन, गाजियाबाद
4.	अनुवाद विज्ञान	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी	प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
5.	रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान	डॉ0 सुरेश महेश्वरी	मितल एंड सन्स, दिल्ली
6.	अनुवाद कला	डॉ0 विश्वनाथ अय्यर	प्रभात प्रकाशल, दिल्ली
7.	हिंदी अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, पटना
8.	अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 पी. के. बालासुब्रमनयम	मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज,चेन्नई
9.	अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग	कैलाशचंद भाटिया	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण	डॉ0 हरिमोहन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11.	अंग्रेजी हिंदी अनुवाद	डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद	अनुपम प्रकाशन, पटना
12.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	डॉ0 जी0 गोपीनाथन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13.	अनुवाद प्रविधि	प्रो0 सूर्यप्रकाश दीक्षित डॉ0 सत्यदेव मिश्र	हिंदी विभाग, लखनऊ वि0वि0
14.	अनुवाद की विविध समस्याएँ	ओमप्रकाश गाबा	मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली
15.	काव्यानुवादः सिद्धांत और समस्याएँ	नगीनचंद सहगल	हिंदी मा0 का0 नि0 दिल्ली वि0
16.	अनुवाद विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति	डॉ0 मुरलीधर शहा डॉ0 पीतांबर सरोदे	अतुल प्रकाशन, कानपुर
17.	सूचना साहित्य : अनुवाद की चुनौतियाँ	डॉ0 ओ0 वासवन	जयभारती प्रकाशल, इलाहाबाद
18.	अनुवाद के सामयिक परिप्रेक्ष्य	सं0 प्रो0 दिलीप सिंह प्रो0 ऋषभदेव शर्मा	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
19.	अनुवाद काव्यानुवाद विशेषांक अंक –154	सं0 डॉ0 पूरनचंद टंडन	भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली

OR

GENERIC/ DISCIPLINE CENTRIC ELECTIVE [ECHIN402C]:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100	**Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

झारखंड पर केंद्रित हिंदी लेखन

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - झारखंड के हिंदी साहित्य का परिदृश्य, झारखंड का वैशिष्ट्य

इकाई II - झारखड पर केन्द्रित हिंदी उपन्यास और उनका वैशिष्ट्य

इकाई III - झारखंड पर केन्द्रित कहानी लेखन, कहानियों में वर्णित समस्याएँ, प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार।

इकाई IV - झारखंड पर केन्द्रित कविता लेखन, कविताओं में वर्णित समस्याएँ, कविताएँ और कवि, अन्य विधाओं में झारखंड।

इकाई V - जंगलतंत्रम् – श्रवण कुमार गोस्वामी अथवा ग्लोबल गाँव के देवता – रणेन्द्र

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	बुल्के स्मृति ग्रंथ	सं0 डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी	सत्यभारती प्रकाशन, राँची
2.	झारखण्ड इन साइक्लॉपीडिया	सं0 रणेन्द्र एवं सुधीर पाल	वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3.	आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य	सं0 कुमार वीरेन्द्र	पैसिफिक पब्लिकेशन, दिल्ली
4.	हिंदी कथा साहित्य और झारखंड	अनामिका प्रिया	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
5.	झारखंडः समाज, संस्कृति और साहित्य	डॉ0 विद्याभूषण	झारखंड झरोखा, राँची
6.	बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में	डॉ0 विद्याभूषण	शिल्पायन, दिल्ली
7.	इतिहास के मोड़ पर झारखंड	डॉ0 विद्याभूषण	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
8.	पाठ और परख	डॉ0 विद्याभूषण	राज पब्लिशिंग हा0 दिल्ली
9.	कृति संस्कृति के शब्द	डॉ0 विद्याभूषण	पूनम प्रकाशन, दिल्ली
10.	वनस्थली के कथापुरूष	डॉ0 विद्याभूषण	भावना प्रकाशन, दिल्ली
11.	आदिवासी दर्शन और साहित्य	सं0 वंदना टेटे	विकल्प प्रकाशन, दिल्ली
12.	अतीत के दर्पण में झारखंड	डॉ0 भुवनेश्वर अनुज	भुवन प्रकाशन, राँची
13.	झारखंढ परिदृश्य	डॉ0 सुनील कुमार सिंह	क्रॉउन पब्लिकेशन, राँची
14.	झारखंड का जनजातीय समाज	डॉ0 उमेश कुमार वर्मा	सुबोध ग्रंथमाला, राँची
15.	झारखंड के सपूत	डॉ0 जंग बहादुर पांडेय	शबनम प्रकाशन, कटक

III. CORE COURSE [CCHIN403]: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -04, ट्यूटोरियल -01)

Marks: 30 (MSE: 20Th. 1Hr + 5Attd. + 5Assign.) + 70 (ESE: 3Hrs)=100 Pass Marks (MSE:17 + ESE:28)=45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*20 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में 5 अंको के पाँच **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*70 अंको की परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में 15 अंको के छः **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** में से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।*

नोट : *परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*
20 अंकों की दो आंतरिक परीक्षाओं में प्राप्त अधिकतम अंक का चयन होगा।
05 अंक उपस्थिति एवं 05 अंक सेमिनार, एन. एस. एस. एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।
(Attendance Upto75%, 1mark; 75<Attd.<80, 2 marks; 80<Attd.<85, 3 marks; 85<Attd.<90, 4 marks; 90<Attd, 5 marks).

शोध–प्रविधि

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्यूटोरियल : 15 व्याख्यान

इकाई I - शोध : परिभाषा स्वरूप, प्रकार एवं पद्धतियाँ, हिन्दी शोध का इतिहास

इकाई II - शोध / अनुसंधान की प्रक्रिया – विषय का चयन, विषय निर्धारणः संकल्पना एवं महत्व, शोध की समस्या, शोध की रूपरेखा, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित एवं अप्रकाशित), पुस्तकालय, कम्प्यूटर, इंटरनेट, वेबसाइड, फील्ड वर्क, कार्ड, साक्षात्कार, प्रश्नावली, सामग्री का विवेचन–विशलेषण

इकाई III - साहित्यिक शोध के सिद्धांत, साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक शोध में अंतर

इकाई IV - शोधार्थी के गुण, शोध प्रस्तुतीकरण तंत्र, शोध और समीक्षा का अंतराल

इकाई V - शोध समस्या एवं समाधान, वर्तमान शोध की दशा एवं दिशा, शोध दिशा एवं दृष्टि

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	शोध प्रविधि	डॉ0 विनय मोहन शर्मा	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
2.	अनुसंधान और आलोचना	डॉ0 नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
3.	साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान	डॉ0 देवराज उपाध्याय, डॉ0 रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'	राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
4.	शोध प्रविधि	डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा	हरियाणा सा0 अकादमी,चंडीगढ़
5.	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	हरीश अरोड़ा	के0 के0 पब्लिकेशन, दिल्ली
6.	नवीन शोध विज्ञान	डॉ0 तिलक सिंह	प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
7.	अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया	डॉ0 एस. एन. गणेशन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8.	अनुसंधान का विवेचन	डॉ0 उदय भानु सिंह	हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली
9.	अनुसंधान के तत्व	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	वाणी वितान, वाराणासी
10.	साहित्यिक अनुसंधान के आयाम	डॉ0 रवीन्द्र कुमार जैन	द0 भारत हिं0 प्रचारसभा चेन्नई
11.	शोध प्रक्रिया एवं विवरिणका	डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा	राजस्थान हिंदी अकादमी,जयपुर
12.	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	डॉ0 चंद्रभानु रावत	चंदभान प्रकाशन मथुरा
13.	हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा	डॉ0 मनमोहन सहगल	पंचशील प्रकाशन, जयपुर
14.	अनुसंधान की प्रक्रिया	सं0 डॉ0 सावित्री सिन्हा / डॉ0 विजेन्द्र स्नात्क	नेशनल पब्लिशिंग हा0, दिल्ली
15.	अनुवाक् (शोध पत्रिका हिंदी विभाग, राँची वि0वि0)	सं0डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी एवं सभी विभागीयप्राध्यापक	हिंदी विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची
16.	कम्प्यूटर और मीडिया	प्रो0 भगवान देव पाण्डेय डॉ0 योगेश कु0 पाण्डेय	सत्यम पब्लिशिंग, दिल्ली
17.	कम्प्यूटर और हिंदी	डॉ0 हरिमोहन	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18.	हिंदी कम्प्यूटिंग	डॉ0 त्रिभुवन नाथ शुक्ल	हिंदी विभाग जबलपुर वि0 वि0
19.	हिन्दी शोध : सिद्धांत और विनियोग	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय, डॉ0 विनय कुमार चौधरी	संदर्भ प्रकाशन, मधेपुरा
20.	साहित्य का मूल्यांकन	प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद	बिहार राष्ट्र भाषा, परिषद
21.	व्यावहारिक हिन्दी	डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय तारामणि पाण्डेय, चन्द्रमणि किशोर	निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

IV. CORE COURSE (PROJECT) [PRHIN404]: (क्रेडिट: -05)

Marks: 100 (ESE: 3Hrs)=100	Pass Marks (ESE) = 45

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

100 अंको की परीक्षा में निम्नलिखित निर्देशानुसार शोध.निबंध / परियोजना निबंध पर अंक निर्धारित किये जायेंगे ।

शोध.निबंध / परियोजना निबंध = 70 अंक

मौखिक परीक्षा = 30 अंक

नोट : इस पत्र का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक एवं आंतरिक परीक्षक करेंगे और इसकी मौखिकी भी सम्पन्न करायेंगे।

लघुशोध प्रबंध

शोध–प्रबंध / परियोजना निबंध का मूल्यांकन निम्नलिखित बिन्दुओं के आलोक में होगा–

i विषय चयन के लिए प्रेरणा

ii पद्धति और सामग्री चयन / संकलन

iii संकल्पना एवं महत्त्व

iv भविष्य के लिए उपयोगिता एवं प्रासंगिकता

v लघुशोध–प्रबंध न्यूनतम 50 टंकित पृष्ठों में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य एवं भाषा से संबंधित किसी विषय पर लघुशोध प्रबंध।

अथवा

साहित्यिक एवं भाषा संबंधी निबंध

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा :

70 अंको की परीक्षा होगी। छः प्रश्नों में से किन्हीं दो पर दीर्घ निबंध लिखने होंगे। 35 X 2 = 70

30 अंकों की मौखिकी होगी, जो हिंदी के समग्र पाठ्यक्रम पर आधारित होगी और बाह्य परीक्षक एवं आंतरिक परीक्षक द्वारा ली जायेगी। इसमें विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति, अनुभूति एवं साक्षात्कार कौशल का मुल्याँकन होगा।

इकाई I - कालजयी साहित्यिकारों से संबंधित निबंध यथा – सूर, तुलसी, कबीर, जायसी मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, दिनकर इत्यादि।

इकाई II - कालजयी कृत्तियों से संबंधित निबंध यथा – सूरसागर, मानस, पद्मावत, कामायनी, गोदान, प्रिय प्रवास, हल्दीघाटी, उर्वशी इत्यादि।

इकाई III - साहित्यिक वाद से संबंधित यथा – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, नई कविता आदि।

इकाई IV - हिंदी भाषा विषयक यथा – हिंदी भाषा का विकास, हिंदी की दशा एवं दिशा। देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता गुण–दोष,देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

इकाई V - काव्यशास्त्रीय निबंध यथा – रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धान्त, ध्वनि सिद्धांत।

अनुशंसित पुस्तकें :–

क्र. स.	रचना	रचनाकार का नाम	प्रकाशक
1.	वृहत साहित्यिक निबंध	डॉ0 रामसागर त्रिपाठी डॉ0 शांति स्वरूप गुप्त	अशोक प्रकाशन, दिल्ली –6
2.	अनुपम साहित्यिक निबंध	डॉ0 कृष्णदेव शर्मा	रीगल बुक डीपो, दिल्ली –6
3.	साहित्यिक निबंध	राजनाथ शर्मा	विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4.	साहित्यिक निबंध	सं0 डॉ0 त्रिभुवन सिंह	विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
5.	साहित्यिक निबंध	डॉ0 विजयपाल सिंह	जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6.	साहित्यिक निबंध	डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7.	राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान	आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8.	भाषा वैज्ञानिक निबंध	डॉ0 त्रिलोकी नाथ सिंह	प्रकाशन केंद्र, लखनऊ
9.	ध्वनि सिद्धांत और मध्ययुगीन काव्य	डॉ0 सभापति मिश्र	नीरज प्रकाशन, इलाहाबाद
10.	बोध और व्याख्या	डॉ0 कामेश्वर शर्मा	नोवेल्टी एण्ड कम्पनी, पटना

DISTRIBUTION OF CREDITS FOR P.G. PROGRAMME (SEMESTER-WISE) FOR POSTGRADUATE **'P.G. Voc./M.Sc./M.A./M.Com'** PROGRAMME

Table B-1: Semester wise distribution of 80 Credits for Subjects with Practical Papers.

Semester	CC	FC	GE/DC	AE	Total credits
Semester I	15	05			20
Semester II	20				20
Semester III	15			05	20
Semester IV	5		15		20
	55	**05**	**15**	**05**	**80**

Table B-1: Semester wise distribution of 80 Credits for Subjects without Practical Papers.

Semester	CC	FC	GE/DC	AE	Total credits
Semester I	15	05			20
Semester II	20				20
Semester III	15			05	20
Semester IV	10		10		20
	60	**05**	**10**	**05**	**80**

CC=Core Course; FC=Foundation Compulsory/Elective Course; GE=Generic Elective; SE=Skill Enhancement Course; DC=Discipline Centric Elective

SAMPLE CALCULATION FOR SGPA & CGPA FOR POSTGRADUATE **'P.G. Voc./M.Sc./M.A./M.Com'** PROGRAMME

Table B-2: Sample calculation for SGPA for M.Sc./M.A./M.Com Programme

Course	**Credit**	**Grade Letter**	**Grade Point**	**Credit Point (Credit X Grade)**	**SGPA (Credit Point/Credit)**
Semester I					
FC	05	A	8	40	
C-1	05	B+	7	35	
C-2	05	B	6	30	
C-3/CP	05	B	6	30	
Total	**20**			**135**	**6.60 (135/20)**
Semester II					
C-4	05	B	6	30	
C-5	05	C	5	25	
C-6	05	B+	7	35	
C-7/CP	05	A+	9	45	
Total	**20**			**135**	**6.60 (135/20)**
Semester III					
EC-1	05	A+	9	45	
C-8	05	0	10	50	
C-9	05	A	8	40	
C-10/CP	05	A	8	40	
Total	**20**			**175**	**8.75 (175/20)**
Semester IV					
EC-2/EC-2	05	B	6	30	
EC-3/EC-3	05	A+	9	45	
C11/EP	05	B	6	30	
Project	05	A+	9	45	
Total	**20**			**150**	**7.50 (150/20)**
CGPA					
Grand Total	**80**			**595**	**7.44 (595/80)**

Table B-3: Sample calculation for CGPA for P.G. Vocational M.Sc./M.A./M.Com Programme

Semester I	**Semester II**	**Semester III**	**Semester IV**
Credit:20; SGPA:6.60	Credit:20; SGPA: 6.60	Credit:20; SGPA: 8.75	Credit:20; SGPA: 7.50

Thus CGPA= (20x6.60+20x6.60+20x8.75+20x7.50) /80**=7.36**

DISTRIBUTION OF MARKS FOR EXAMINATIONS AND FORMAT OF QUESTION PAPERS

Distribution of Marks for Mid Semester Evaluation:

Table No. 15: Distribution of marks of Theory Examinations of Mid Semester

Topic	Code	Full Marks	Pass Marks	Time	Group-A (Very short answer type Compulsory Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Group-B (Descriptive Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Total No. of Questions to Set	
							Group A	Group B
Mid Sem*	T30*	30 (20 +5 +5)	17	1 Hr	5 x1 =5	3 (out of 5) x5 =15	05	5

***There shall be 20 marks theory examination for mid sem, 05 marks for attendance/ regular interactions & 05 marks for seminar/ assignment/ term paper given by faculty concerned in classrooms.**

Distribution of Marks for End Semester Theory Examinations:

Table No. 16: Marks distribution of Theory Examinations of End Semester

Topic	Code	Full Marks	Pass Marks	Time	Group-A# (Very short answer type Compulsory Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Group-B (Descriptive Questions) No. of Questions x Marks = F.M.	Total No. of Questions to Set	
							Group A#	Group B
End Sem	T50	50	--	3 Hrs	2 x5 =10	2 (out of 3) x20 =40	2	3
	T70	70	28	3 Hrs	Q.No.1 (5x1) + 1x5 =10	4 (out of 6) x15 =60	2	6

 # Question No.1 in Group-A carries very short answer type questions of 1 Mark

Note : There may be subdivisions in each question asked in Theory Examinations.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR MID SEM EXAMINATION

20 MARKS

Ranchi University, Ranchi

Mid Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =20 **Time**=1Hr.

General Instructions:
समान्य निर्देश :

i. **Group A** carries very short answer type compulsory questions.
(खंड 'A' में अत्यंत लघु उत्तरीय अनिवार्य प्रश्न हैं।)
ii. **Answer 3 out of 5** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के पाँच में से किन्हीं तीन विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. ..... [5x1=5]
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

Group B

6. ..... [5]
7. ..... [5]
8. ..... [5]
9. ..... [5]
10. ..... [5]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEM EXAMINATION

70 MARKS

Ranchi University, Ranchi

End Sem No. Exam Year

Subject/ Code

F.M. =70 **P.M.**=28 **Time**=3Hrs.

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
(खंड 'B' के छः में से किन्हीं चार विषयनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें।)
iii. Answer in your own words as far as practicable.
(यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।)
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
(एक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक साथ लिखें।)
v. Numbers in right indicate full marks of the question.
(पूर्णांक दायीं ओर लिखे गये हैं।)

Group A

1. [5x1=5]

i. .....
ii. .....
iii. .....
iv. .....
v. .....

2. ..... [5]

Group B

3. ..... [15]
4. ..... [15]
5. ..... [15]
6. ..... [15]
7. ..... [15]
8. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.